अक्टूबर 2018 मनसा सकाश सेवा " ब्राह्मण जीवन के अधूरे कर्त्तव्य, जो हमें पूरे करने हैं....।

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले स्वयं को परमात्म शक्तियों से चार्ज किया?																															
2. सवेरे से शाम तक चार घंटे योग, मनसा सेवा की?																															
3. निराकारी स्थिति में स्थित रहने की प्रैक्टिस की?																															
4. कर्म करते डबल लाईट स्थिति रही?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

1. अमृतवेले स्वयं को सर्वशक्तियों से फुलचार्ज करना है।
2. बाबा से कम्बाइंड होकर स्वयं के विकर्मों को भस्म करना है।
3. ब्राह्मण आत्माओं को पवित्रता की सकाश देनी है।
4. ब्राह्मणों में तपस्या का वायुमण्डल बनाने की सकाश देनी है।
5. प्रकृति के पांचों तत्वों को पावन बनाने की सकाश देना।
6. भक्त आत्माओं को अपने ईष्टदेव का साक्षात्कार कराना।
7. उन आत्माओं से क्षमा मांगना जिनको हमने दु:ख दिया है।
8. उन आत्माओं को माफ करना जिन्होनें हमें दु:ख दिया है।
9. उन आत्माओं को धन्यवाद देना है जिन्होंने हमें सहयोग दिया है।
10. नास्तिक आत्माओं को ईश्वरीय प्रेम से भरपूर करने की सकाश देना।
11. बाबा के साथ कम्बाइंड होकर भटकती, तड़फती, रोगी, अशान्त, दु:खी आत्माओं को शान्ति का सकाश देना।

सवेरे से लेकर रात्रि तक ज्यादा से ज्यादा समय मनसा सेवा में स्वयं को व्यस्त रखना है।

1 से 5 अक्टूबर :- मैं अव्यक्त वतनवासी आकारी फरिश्ता हूं।

6 से 10 अक्टूबर :- मैं निराकारी स्थिति में स्थित रहने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूं।

11 से 15 अक्टूबर :- मैं पवित्र किरणें फैलाने वाला परम पवित्र फरिश्ता हूं।

16 से 20 अक्टूबर :- मैं फरिश्ता लाइट हाउस-माइट हाउस हूं।

21 से 25 अक्टूबर :- मैं देह से न्यारा डबल लाइट फरिश्ता हूं।

26 से 31 अक्टूबर :- मैं विश्वकल्याणकारी अव्यक्त फरिश्ता हूं।